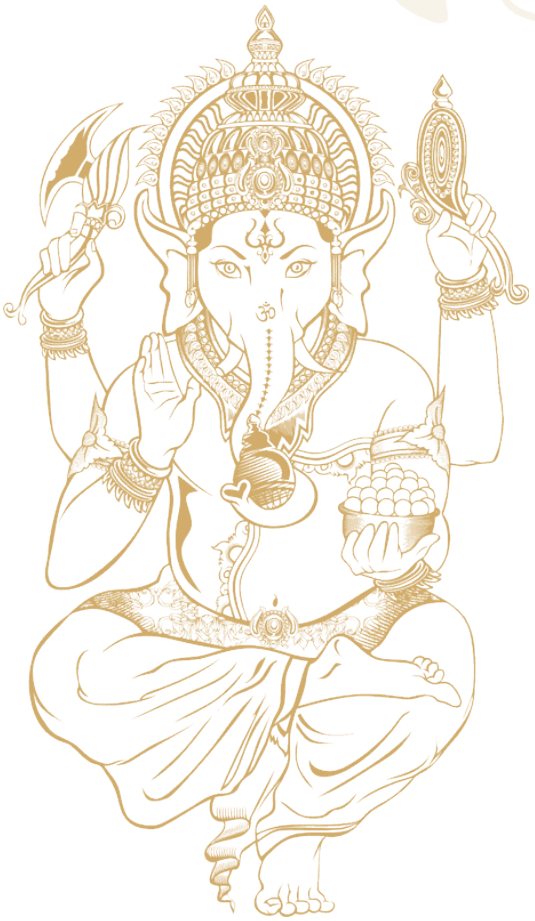

Kushi

26 Feb 2026

02:35 AM

Mathura

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121529817

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**25-26/02/2026**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:35:00 घंटे**
इष्ट	49:27:45 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:15:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:04 घंटे
साम्पातिक काल	12:38:45 घंटे
सूर्योदय	06:47:53 घंटे
सूर्यास्त	18:17:01 घंटे
दिनमान	11:29:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:02:46 कुम्भ
लग्न के अंश	02:43:07 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमला
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:43:07	327:11:24	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	13:02:46	01:00:19	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	00:59:23	14:11:35	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	02:03:36	00:47:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
बुध			कुंभ	28:19:39	00:03:59	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:09:01	00:02:35	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	25:05:49	01:14:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	07:07:48	00:07:04	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:14	00:00:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:14	00:00:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:26:40	00:01:08	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:42:30	00:02:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:13:24	00:01:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	16:19:03	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

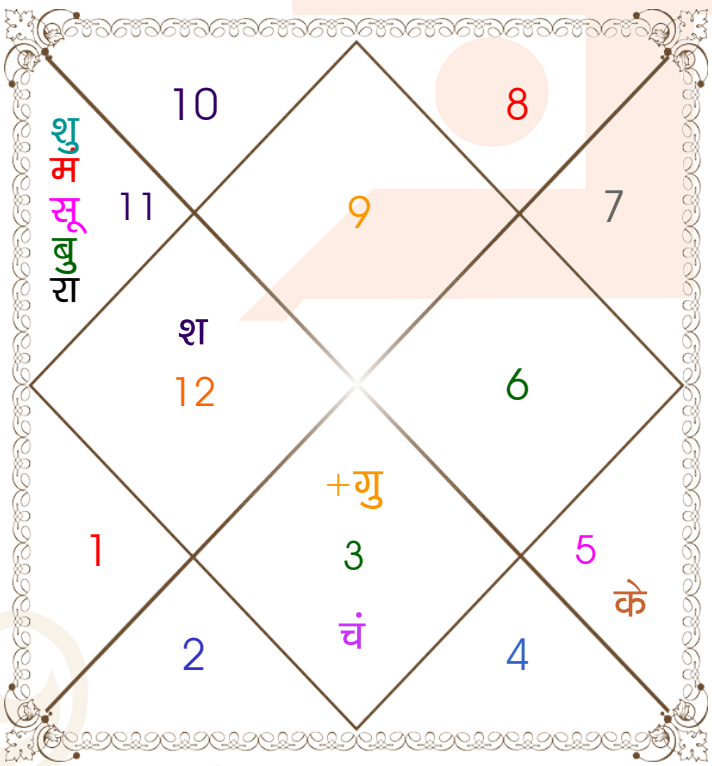

चन्द्र कुंडली

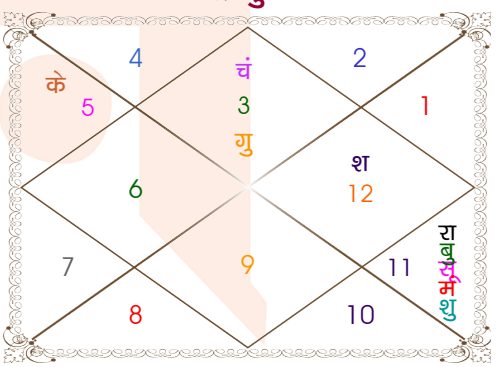

नवमांश कुंडली

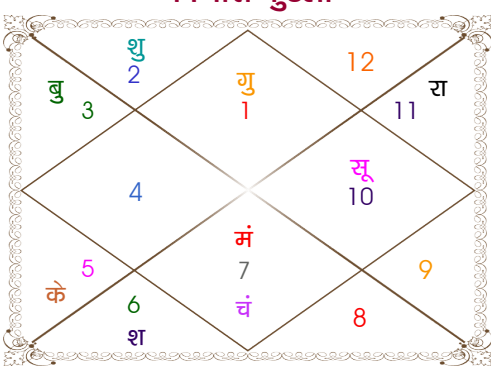

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 11 मास 23 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/02/2026		18/02/2029		19/02/2047		19/02/2063		18/02/2082	
18/02/2029		19/02/2047		19/02/2063		18/02/2082		19/02/2099	
	00/00/0000	राहु	01/11/2031	गुरु	08/04/2049	शनि	22/02/2066	बुध	17/07/2084
	00/00/0000	गुरु	27/03/2034	शनि	20/10/2051	बुध	01/11/2068	केतु	14/07/2085
	00/00/0000	शनि	31/01/2037	बुध	25/01/2054	केतु	10/12/2069	शुक्र	14/05/2088
	26/02/2026	बुध	20/08/2039	केतु	01/01/2055	शुक्र	09/02/2073	सूर्य	21/03/2089
बुध	17/08/2026	केतु	07/09/2040	शुक्र	01/09/2057	सूर्य	22/01/2074	चंद्र	20/08/2090
केतु	13/01/2027	शुक्र	08/09/2043	सूर्य	20/06/2058	चंद्र	23/08/2075	मंगल	17/08/2091
शुक्र	14/03/2028	सूर्य	01/08/2044	चंद्र	20/10/2059	मंगल	01/10/2076	राहु	06/03/2094
सूर्य	20/07/2028	चंद्र	31/01/2046	मंगल	25/09/2060	राहु	08/08/2079	गुरु	11/06/2096
चंद्र	18/02/2029	मंगल	19/02/2047	राहु	19/02/2063	गुरु	18/02/2082	शनि	19/02/2099

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/02/2099		19/02/2106		19/02/2126		20/02/2132		19/02/2142	
19/02/2106		19/02/2126		20/02/2132		19/02/2142		00/00/0000	
केतु	18/07/2099	शुक्र	21/06/2109	सूर्य	09/06/2126	चंद्र	20/12/2132	मंगल	19/07/2142
शुक्र	17/09/2100	सूर्य	21/06/2110	चंद्र	09/12/2126	मंगल	21/07/2133	राहु	06/08/2143
सूर्य	23/01/2101	चंद्र	20/02/2112	मंगल	15/04/2127	राहु	20/01/2135	गुरु	12/07/2144
चंद्र	24/08/2101	मंगल	21/04/2113	राहु	09/03/2128	गुरु	21/05/2136	शनि	21/08/2145
मंगल	20/01/2102	राहु	21/04/2116	गुरु	26/12/2128	शनि	21/12/2137	बुध	27/02/2146
राहु	08/02/2103	गुरु	21/12/2118	शनि	08/12/2129	बुध	22/05/2139		00/00/0000
गुरु	14/01/2104	शनि	19/02/2122	बुध	15/10/2130	केतु	21/12/2139		00/00/0000
शनि	22/02/2105	बुध	20/12/2124	केतु	20/02/2131	शुक्र	21/08/2141		00/00/0000
बुध	19/02/2106	केतु	19/02/2126	शुक्र	20/02/2132	सूर्य	19/02/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 11 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।